St. Peter's Senior Secondary School

(Affiliated to C.B.S.E. No. 2630043)

CLASS – 12(ARTS)

SUBJECT – HINDI (CORE)

प्यारे बच्चों,

मैं मोना इस नए सत्र 2020-2021 की हिंदी की अध्यापिका हूँ | नए सत्र में हम अपनी शुरुवात अपठित गद्यांश के साथ करेंगे | आप सभी से अनुरोध है कि इस कार्य के लिए आप अपनी कोई भी पुरानी उत्तर पुस्तिका प्रयोग में ला सकते हैं |

अपठित गद्यांश

अपठित का अर्थ होता है 'जो पढ़ा नहीं गया हो'। यह किसी पाठ्यक्रम की पुस्तक में से नहीं लिया जाता है। यह कला, विज्ञान, राजनीति, साहित्य या अर्थशास्त्र, किसी भी विषय का हो सकता है। गद्यांश में इनसे सम्बन्धित प्रश्न पूछे जाते हैं। इससे छात्रों का मानसिक व्यायाम होता है और उनका सामान्य ज्ञान भी बढ़ता है।

विधि

अपठित गद्यांश पर आधारित प्रश्नों को हल करने के लिए निम्नलिखित बातों का ध्यान रखना आवश्यक है:-

1. **दिए गए गद्यांश को ध्यान से पढ़ना चाहिए।**
2. **गद्यांश पढ़ते समय मुख्य बातों को रेखांकित कर देना चाहिए।**
3. **गद्यांश के प्रश्नों के उत्तर देते समय भाषा एकदम सरल होनी चाहिए।**
4. **उत्तर सरल, संक्षिप्त व सहज होने चाहिए। अपनी भाषा में उत्तर देना चाहिए।**
5. **यदि गद्यांश का शीर्षक पूछा जाए तो शीर्षक गद्यांश के शुरु या अंत में छिपा रहता है।**
6. **मूलभाव के आधार पर शीर्षक लिखना चाहिए।**

अपठित गद्यांश (Unseen Passage) WORKSHEET (1)

कहा जाता है कि यूनान के प्रसिद्ध दार्शनिक सुकरात का मुख सौंदर्य विहीन था| किन्तु उनके विचारों में अत्यंत प्रबल सुन्दरता थी अतः लोग उन्हें बहुत पसंद करते थे| एक बार वे

अपने शिष्यों के साथ बैठे हुए थे, तभी एक ज्योतिषी वहाँ आया वह सुकरात को जानता नहीं था| उसने सुकरात का चेहरा देखकर बताया कि तुम्हारे नथुनों की बनावट बता रही है कि तुममें क्रोध की भावना अत्यंत प्रबल है| यह सुनकर सुकरात के शिष्य नाराज हुए, किन्तु सुकरात ने उन्हें रोक लिया | ज्योतिषी ने आगे बताया कि तुम्हारे सिर की आकृति तुम्हारे लालची होने का प्रमाण दे रही है, ठुठडी की बनावट से तुम सनकी और होठों से तुम देशद्रोह के लिए तत्पर प्रतीत होते हो | यह सुनकर सुकरात ने ज्योतिषी को पुरस्कार दिया | सुकरात के शिष्यों ने इसका कारण पूछा तो सुकरात ने स्पष्ट किया कि ये सारे दुर्गुण मुझमें हैं किन्तु ज्योतिषी मुझमें स्थित विवेक की शक्ति को न देख सका जिसके कारण मैं इन सभी दुर्गुणों को नियंत्रण में रखता हूँ | हर इंसान को अपने भीतर स्थित विवेक को जागृत कर सदैव दुर्गुणों को काबू में रखना चाहिए |

<u>उपर्युक्त अपठित गद्यांश के आधार पर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए :–</u>

प्रश्न (1) - सुकरात किस देश के निवासी थे ?

प्रश्न (2) – सुकरात देखने में कैसे थे ?

प्रश्न (3) – ज्योतिषी ने उनके नथुनों को देखकर क्या कहा ?

प्रश्न (4) – ज्योतिषी ने सिर की आकृति देखकर सुकरात के बारे में क्या आंकलन किया ?

प्रश्न (5) – सुकरात के विचारों के बारे में बताइए |

प्रश्न (6) – ज्योतिषी की बात सुनकर सुकरात ने उसके साथ क्या किया ?

प्रश्न (7) – सुकरात ने अपने शिष्यों को अपने दुर्गुणों के बारे में क्या कहा ?

प्रश्न (8) – निम्नलिखित शब्दों के पर्यायवाची शब्द लिखिए :–

(1) इंसान (2) शक्ति

प्रश्न (9) – निम्नलिखित शब्दों के विलोम शब्द लिखिए :–

(1) नाराज (2) दुर्गुण

प्रश्न (10) – गद्यांश से दो संज्ञा शब्द छांटकर लिखिए :-